वाजपेयी के जन्मदिन पर ग्वालियर-लखनऊ 'अटल एक्सप्रेस' का तोहफा!

मोदी सरकार कर सकती है घोषणा, रेलवे बोर्ड की बैठक आज, ग्वालियर से भिंड-इटावा-कानपुर होकर ट्रेन चलाने का प्रस्ताव

अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में देश को भाजपा की ओर से पहला प्रधानमंत्री देने वाले ग्वालियर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अटल जी के जन्म दिन (25 दिसंबर) पर 'अटल एक्सप्रेस' का तोहफा दे सकते हैं। इसके लिए रेलवे बोर्ड के पास प्रस्ताव पहुंच चुका है। सोमवार को बोर्ड की बैठक में अंतिम निर्णय होना है। सब कुछ तय प्रस्ताव के अनुसार हुआ, तो 25 दिसंबर से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जा सकती है।

प्रियंक शर्मा | ग्वालियर

ग्वालियर रेलवे यार्ड में सप्ताह में चार दिन खड़ी रहने वाली ग्वालियर-पुणे साप्ताहिक ट्रेन को ग्वालियर-लखनऊ रूट पर अटल एक्सप्रेस के नाम पर चलाया जाएगा। अटल एक्सप्रेस ग्वालियर, भिंड, इटावा, फफूंद, कानपुर व उन्नाव होते हुए लखनऊ पहुंचेगी।

भास्कर एक्सक्लूसिव

अंतिम बाधा दूर करने के लिए 20 दिसंबर से पहले भिंड-इटावा के नए ट्रैक का निरीक्षण करने के लिए सीआरएस (कमिश्नर रेलवे सेफ्टी) से कहा गया है। सब कुछ ठीक रहा, तो भिंड-इटावा ट्रैक पर दौड़ने वाली पहली ट्रेन अटल एक्सप्रेस होगी। अभी तक लखनऊ के लिए ग्वालियर से सिर्फ एक बरौनी

मेल ही जाती है, जो झांसी, उरई होते हुए 390 किमी का सफर साढ़े आठ घंटे में तय करती है। नई ट्रेन से भिंड, इटावा, फफूंद, कानपुर, उन्नाव होते लखनऊ तक का सफर सिर्फ 325 किमी का होगा। यह ट्रेन बरौनी के मुकाबले एक से डेढ़ घंटा कम समय में लखनऊ तक पहुंचेगी।

ग्वालियर से लखनऊ ही क्यों

इस ट्रेन को ग्वालियर से लखनऊ तक चलाने का फैसला इसलिए लिया गया है, क्योंकि श्री वाजपेयी पांच बार लखनऊ लोकसभा सीट से सांसद रहे हैं। इसी दौरान वह प्रधानमंत्री भी बने। हालांकि शुरू में इसे बलरामपुर तक चलाने पर भी विचार किया जा रहा था। बलरामपुर से श्री वाजपेयी ने वर्ष 1957 में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वर्तमान में वहां ट्रैक पर मेंटीनेंस कार्य चलने की वजह से इसे लखनऊ तक ही चलाने का प्रस्ताव भेजा गया है।

ट्रेन शीघ्र शुरू कराने का प्रयास

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल एक्सप्रेस चलाने के लिए हम पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। जल्द ही ट्रेन शुरू होने की उम्मीद है।

-नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय इस्पात मंत्री

जल्द फैसले की संभावना

लखनऊ तक नई ट्रेन चलाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड के पास विचाराधीन है। इस संबंध में जल्द ही फैसला होने की संभावना है।

-रविप्रकाश, पीआरओ, एनसीआर झांसी मंडल